हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

तापमान
अधिकतम 11.0 डिग्री
न्यूनतम 6.8 डिग्री

11 लक्ष्मणपुरी की पुण्यतिथि पर गोकर्ण डेरे पर तीन दिवसीय ..

12 अब सभी स्कूलों में दोबारा लगाई जाएंगी

मौसम की मार: 8 के बाद बूंदाबांदी के आसार, 11 से फिर बढ़ेगा ठंड का प्रकोप

कोल्ड अलर्ट, ठंड से नहीं मिलेगी राहत, अस्पतालों में 20% मरीज बढ़े, सुबह की सैर न करें बुजुर्ग, अधरंग का खतरा

- दिन का अधिकतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ठंड का कहर जारी है। मौसम विभाग ने रोहतक में कोल्ड-डे का अलर्ट जारी किया है। आने वाले दिनों में शीत लहर से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दिन का अधिकतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। शनिवार शाम को तापमान 8 डिग्री रह गया था। रोहतक में लगातार दूसरे दिन भी बौछार गिरी। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार 8 जनवरी तक मौसम के शुष्क रहने के आसार हैं। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 8 जनवरी से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। 9 और 10 जनवरी को बूंदाबांदी या हल्की बारिश भी हो सकती है। इसके बाद 11 जनवरी से फिर ठंड का प्रकोप बढ़ेगा। दूसरी ओर इस ठंड का असर बच्चों और बूढ़ों पर भारी पड़ रहा है। पीजीआई में बुखार के मरीज 20 प्रतिशत बढ़ गए हैं। इन दिनों अधरंग का खतरा भी बढ़ रहा है। अस्पतालों में अन्य दिनों की अपेक्षा अधरंग के 10 प्रतिशत मरीज बढ़े हैं। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि जब तक शीत लहर चल रही है कोई भी व्यक्ति सुबह की सैर न करें।

निमोनिया के मरीज 15-20 प्रतिशत बढ़े

बच्चों और बूढ़ों पर शीत लहर का प्रकोप ज्यादा होता है। इसलिए बच्चों को गर्म कपड़े पहनाकर रखें और गरम पानी या दूध का सेवन करवाएं। पीजीआई में निमोनिया के मरीजों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ौतरी हुई है। सर्दी में इन्फेक्शन होने के चांद ज्यादा होते हैं।

5-6 दिनों तक बैक्टीरिया का प्रभाव

शीत लहर के कारण बच्चे और बुजुर्ग कोल्ड डायरिया की चपेट में आ जाते हैं। बैक्टीरिया इन दिनों ताकतवर होता है और गर्मियों की अपेक्षा ज्यादा दिनों तक असर करता है। गर्मियों में जिस बैक्टीरिया का प्रभाव 3-4 दिनों तक रहता है, सर्दियों में वही बैक्टीरिया 5-6 दिनों तक प्रभावित करता है। कमजोर अम्यूनिटी वाले बच्चों को वायरल बुखार घेर लेता है।

हार्ट अटैक के मरीज ज्यादा आ रहे

पीजीआई हो या सिविल अस्पताल इन दिनों हार्ट अटैक के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। बूढ़ों को ही नहीं युवकों में भी आजकल हार्ट अटैक का खतरा बना हुआ है। इसका एक कारण यह भी है कि शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए दिल को ज्यादा काम करना पड़ता है। इसलिए सुबह की सैर से बचें और स्नान करने की दिनचर्या में भी बदलाव करें। हो सके तो सुबह न नहाएं।

बीपी और दमे के मरीज सावधान रहें

जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर है उन लोगों को सर्दी में खास ध्यान रखना चाहिए। हाई बीपी और दमे के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। कारण ये है कि शीत लहर के कारण सांस की नली भी सिकुड़ जाती है। इससे दमा बढ़ने के चांद ज्यादा हो जाते हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस या सांस संबंधी बीमारी के मरीजों को सतर्क रहने की जरूरत है। टैंपरेचर कम होने से बीपी बढ़ता है और नसों में खून के सही फ्लो में दिक्कत आने लगती है।

विजिबिलिटी 10 मीटर

ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह-शाम धुंध के चलते विजिबिलिटी 10 मीटर तक ही रह गई है। हालात ये हैं कि शाम होते ही आसमान से सफेद चादर का कहर बरसने लगता है। इस दौरान विजिबिलिटी काफी कम हो जाती है। जरूरी है कि धुंध खत्म होने के बाद ही सफर करें। इन दिनों हादसों का अंदेशा ज्यादा बना रहता है।

ऐसे करें बचाव

- घर में रूम हीटर का प्रयोग करें।
- पानी की कमी शरीर में न होने दें, लेकिन ठंड है तो इसलिए गर्म पानी का सेवन सही रहेगा।
- अदरक तुलसी, काली मिर्च और लौंग का काढ़ा भी लाभदायक रहेगा।
- इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन-सी जरूर लें। इसके लिए संतरा, नींबू, मौसमी और आंवला खा सकते हैं।
- चाय, कॉफी जैये गर्म पेय पदार्थ लें, इससे गले के इंफेक्शन और जुकाम-खांसी से राहत मिलेगी।
- अल्कोहल का सेवन न करें, इससे शरीर का तापमान कम होता है।
- जरूरत हो तभी घर से बाहर निकलें। शरीर को गर्म कपड़ों से ढककर रखें। कान, गला, नाक और हाथ-पैर को जरूर कवर करें।
- बच्चे और बुजुर्ग सुबह की सैर पर न जाएं।
- हल्दी मिलाकर गर्म दूध पिएं।

सुबह 2 से 5 बजे तक का समय खतरनाक

शीत लहर चली हुई है। रात 2 से सुबह 5 बजे तक का समय ज्यादा खतरनाक होता है। बुजुर्गों को ज्यादातर हार्ट अटैक इसी समय होते हैं। इसलिए सावधानी बरतें और कमरे को गर्म रखें। रूम हीटर का प्रयोग करें। फीवर के 20 प्रतियात मरीज बढ़े हैं। सर्दियों में बैक्टीरिया मल्टीपल रूप लेता है और लंबे समय तक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। तेज बुखार, खांसी, जुकाम बदन और आंखों में दर्द है तो कोविड की जांच जरूर करवाएं।
-डॉ. रमेश वर्मा, प्रो. कम्यूनिटी मेडिसन, पीजीआईएमएस और इन्वेस्टिगेटर को-वैक्सीन।

शहर में आज

- गोकर्ण धाम पर श्रीराधा नाम संग कीर्तन मंडल द्वारा संकीर्तन शाम 5 बजे
- बाबा बंदा बहादुर चैरिटेबल डिस्पेंसरी में चर्म रोग शिविर सुबह 9:00 बजे से
- रोहतक टेंट डीलर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा पंछी रियल पैलेस में सम्मान समारोह और पत्रकार वार्ता दोपहर 1:00 बजे
- वैश्य शिक्षण संस्थान के वर्तमान हालात के बारे में चर्चा के लिए होटल रिवाज में बैठक दोपहर 12:00 बजे
- जाट एजुकेशन सोसायटी रोहतक चुनाव को लेकर राजेंद्र उर्फ राज सिंह नांदल बोहर में पत्रकार वार्ता करेंगे सुबह 11 बजे
- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में क्रिकेट प्रतियोगिता सुबह 10 बजे से
- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह सुबह 11 बजे

बिजली कट

- सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक

सेक्टर-2 क्षेत्र में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी

- सुबह 10:30 से शाम 4 बजे तक

हिसार रोड पर ओम धर्म कांटे के आसपास की बिजली सप्लाई बाधित रहेगी

खबर संक्षेप

स्नैचिंग की वारदात में आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने गरिमा गार्डन में शादी के दौरान युवक के साथ हुई स्नैचिंग की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करके आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। थाना प्रभारी पुरानी सब्जी मंडी निरीक्षक सत्यपाल ने बताया कि 26 दिसंबर को गांव सांघी निवासी जसकरण की शिकायत के आधार पर थाना पुरानी सब्जी मंडी में केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि जसकरण 23 दिसंबर को शादी में गया था। गरिमा गार्डन गया हुआ था।

महिला पर जानलेवा हमला करने की वारदात में आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस ने लाढ़ौत रोड निवासी महिला पर हुए जानलेवा हमला की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। थाना प्रभारी पुरानी सब्ज़ी मंडी निरीक्षक सत्यापल ने बताया कि लाढ़ौत रोड निवासी सुखबीर की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि सुखबीर 6 भाई है, जिनमें 4 का देहांत हो चुका है। सुखबीर के छोटे भाई सतबीर व उसकी पत्नी की भी मौत हो चुकी है। सतबीर का लड़का मंजीत जो नशा करने का आदि है और मकान पर अकेला रहता है। मंजीत को खाना सुखबीर के छोटे भाई युदवीर की पत्नी शीला देती है। 5 जनवरी को सुखबीर को शीला की चीख सुनाई दी। सुखबीर ने देखा तो मंजीत का मकान अंदर से बंद था। सुखबीर ने छत से देखा तो मंजीत किसी दावनुमा हथियार से शीला को चोट मार रहा था। सुखबीर ने शोर मचाया तो मंजीत मौके से फरार हो गया। सुखबीर ने नीचे जाकर देखा तो शीला लहुलुहान हालात में बेहोश पड़ी हुई मिली। शीला को इलाज के लिए पीजीआईएमएस दाख़िल कराया गया। जांच के दौरान 5 जनवरी को आरोपी मंजीत निवासी सूर्या नगर लाढौत रोड को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपित पुलिस की गिरफ्त में

लाखन माजरा के डाक घर से नकदी व कम्प्यूटर की एलईडी चोरी

महम। लाखन माजरा गांव के डाकघर में चोरी की वारदात का मामला प्रकाश में आया है। थाना लाखनमाजरा में दी शिकायत में भैणीभैरों गांव निवासी जोगिंद्र सिंह ने बताया कि वह लाखन माजरा के उप डाक घर में उप डाकपाल के पद पर कार्यरत है। वह सुबह 8:30 बजे डाक घर में पहुंचा तो वहां पर सारा सामान बिखरा हुआ था। डाक घर के पीछे वाली दीवार टूटी हुई थी। गांव के गर्वनमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से चोर डाकघर में घूसे हैं। यहां पर उन्होंने दीवार को तोड़ा और डाक घर के अंदर घुस गए। चोर डाक घर में रखी कम्प्यूटर की एलईडी और उसके पर्सनल बैग को उठा ले गए। बैग में 32 हजार रुपए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिकेट में हिंदू कॉलेज सोनीपत ने अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीयू के खेल प्रांगण में इंटर कॉलेज पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ जीसी सांपला के प्रिंसिपल डॉक्टर पर्म भूषण आर्य ने किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से परिचय लिया और अपना शुभाशीर्वाद दिया। हिंदू कॉलेज सोनीपत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20ओवर में 4 विकेट खोकर 178 बनाए। हिंदू कॉलेज सोनीपत के हर्ष ने 59 गेंदों में 110 रन बनाए। इसके जवाब में अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन ही बना पाए। जिसमें राहुल ने 56 गेंदों में 100 रन बनाए। हिंदू कॉलेज सोनीपत के सुधांशु ने 4 ओवर में 36 रन देकर 3 विकेट लेकर मैच का पासा पलट दिया। एमडीयू के खेल निदेशक प्रोफेसर आरपी गर्ग ने बताया कि रविवार को नेकीराम राजकीय कॉलेज रोहतक और वैश्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रोहतक के बीच मैच होगा।

रोहतक। दोनो टीमों के साथ जीसी सांपला के प्रिंसिपल डॉ पर्म भूषण आर्य ।

अमन ने बॉक्सिंग में कांस्य जीता

रोहतक। सत जीन्दा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर के बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र अमन दुहन ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बाक्सिंग प्रतियोगिता में कास्य पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 1 जनवरी से 5 जनवरी तक चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में आयोजित हुई। कॉलेज पहुंचने पर अमन दुहन का स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ ने शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. कृष्ण कुमार व विजेता छात्र को बधाई दी और छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि गोवाहटी में होने वाले खेलो इंडिया गेम में अमन का चयन हो गया है।

अखिल भारतीय सिविल सेवा कैरम टीम का ट्रायल 11 को

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीडा बोर्ड द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए अखिल भारतीय सिविल सेवा कैरम (पुरुष व महिला) खेल प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 15 फरवरी तक पटना में होगा। इससे पहले कैरम (पुरुष व महिला) की हरियाणा राज्य की पुरुष व महिला टीम का चयन अंबाला स्थित वॉर हीरोज मेमोरियल स्टेडियम में 11 जनवरी को ट्रायल के माध्यम से किया जायेगा।

उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि इस ट्रायल में हरियाणा के सभी विभागों के कर्मचारी, अधिकारी भाग ले सकते हैं। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले कर्मचारी, अधिकारी अपने-अपने विभाग से फोटो सहित यह प्रमाण पत्र साथ लेकर जायें कि वे अमुक विभाग, कार्यालय के सरकारी कर्मचारी, अधिकारी हैं।

स्माईला में होटल पर खाना खाने आए युवकों ने की फायरिंग, केस

सांपला। दिल्ली-हिसार नेशनल हाईवे नंबर-9 इस्माइला बाईपास पर होटल प्रिंस पर आधी रात को युवकों ने हवाई फायर कर दहशत फैलाने का प्रयास किया। गोली चलने की आवाज सुनकर होटल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और नाकेबंदी कराई गई, लेकिन युवकों का सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने होटल के मैनेजर उत्तराखंड निवासी देवेंद्र के बयान पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इस्माईला बाईपास पर स्थित प्रिंस होटल पर रात करीब 2 बजे एक कर में सवार होकर दो युवक और एक लड़की खाना खाने के लिए पहुंचे। खाना खाने के बाद पैसे दिए और बाहर जाकर हवाई फायर कर दिया। गोली की आवाज सुनकर होटल पर बैठे लोग व कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। युवक हवाई फायर करते हुए कार में बैठकर दिल्ली की तरफ फरार हो गई।

महम: दूसरे की जगह ड्यूटी करवाने वाला कर्मचारी फरार

- सीएम फ्लाइंग की छापेमारी के बाद हरकत में आए नपा अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

सरकारी ड्यूटी दूसरे व्यक्ति से करवाने के मामले में महम पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मौके से गिरफ्तार किए गए युवक से पूछताछ कर रही है। जिस कर्मचारी की जगह पर युवक ड्यूटी कर रहा था, वह कर्मचारी अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। शहर पुलिस चौकी के कार्यकारी इंचार्ज रोहतास सिंह ने बताया कि जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस ने जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, उनमें नगर पालिका का नियमित सफाई कर्मचारी महम निवासी महाबीर और उसकी जगह पर ड्यूटी देने वाले युवक महम के वार्ड-13 निवासी अजय सिंह शामिल हैं। महाबीर नगर पालिका में सफाई कर्मचारी है। कर्मियों की कमी के चलते उससे चौकीदार का काम लिया जा रहा था।

कार्यक्रम ऑर्थो विभाग के डॉ. उमेश यादव को मिली आईओए इनलैंड फेलोशिप

मरीजों को राहत, पीजीआई में अब हड्डी के कैंसर का इलाज भी होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआईएमएस में आने वाले हड्डी के कैंसर रोगियों के लिए राहत भरी खबर है। पीजीआईएमएस के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. उमेश यादव ने इसके लिए इंडियन ओथोपेडिक एसोसिएशन द्वारा दी जाने वाली इनलैंड फैलोशिप पूरी कर ली है। इसका लाभ ये होगा कि हड्डी कैंसर के रोगियों को इलाज में लाभ मिलेगा और ऐसे मरीजों को इलाज की सुविधा पीजीआईमएस में निशुल्क मिलेगी। इस फैलोशिप के लिए कुलपति डॉ. अनिता सक्सेना ने कहा कि उन्होंने यह फैलोशिप प्राप्त करके संस्थान का नाम रोशन किया है। निदेशक डॉ. एसएस लोहचब ने कहा कि इससे संस्थान में आने वाले मरीजों को इलाज में सुविधा मिलेगी।

डॉ. उमेश यादव ने बताया कि इंडियन ओथोपेडिक एसोसिएशन द्वारा दी जाने वाली इनलैंड फैलोशिप में देशभर से चुनिंदा उम्मीदवारों ही चयन किया जाता है। उनका इस फैलोशिप के लिए वर्ष 2023 में चयन हुआ था, जिसके बाद उन्होंने यह फैलोशिप गुजरात कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट अहमदाबाद से पूरी की और लखनऊ में आयोजित इंडियन ऑथोपेडिक एसोसिएशन की 70वीं नेशनल कांफ्रेंस के दौरान दिया गया।

रोहतक। डॉ. उमेश यादव को फैलोशिप की बधाई देते हुए कुलपति डॉ. अनीता सक्सेना, डॉ. रूप सिंह व डॉ. प्रदीप कंबोज। फोटो: हरिभूमि

हड्डी रोग से जुड़ी हर बीमारी के इलाज में समर्थ

विभागाध्यक्ष डॉ. रूपसिंह ने बताया की पीजीआई का ऑथोपेडिक्स विभाग हड्डी रोग से जुड़ी हर बीमारी के इलाज में समर्थ है। इस फैलोशिप से हड्डी कैंसर के मरीजों को इलाज की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर सीनियर प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कंबोज भी उपलब्ध रहे। गौरतलब है कि 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में ओथोपेडिक्स विभाग एनुअल रोहतक आथोपेडिक कांफ्रेंस का भी आयोजन कर रहा है। इसकी 2024 की थीम भी हड्डियों के कैंसर पर ही रहेगी।

बारीकी से सीखा इलाज

डॉ. उमेश यादव ने बताया कि इस फैलोशिप के दौरान उन्होंने हड्डी के कैंसर के इलाज से जुडी हुई विभिन्न तरीकों और ऑपरेशन में हिस्सा लिया व इसके इलाज की बारीकियों को समझा। डॉ. उमेश यादव ने कहा कि वे इस फैलोशिप को करवाने के लिए सरकार और संस्थान के अधिकारियों का आभार जताते हैं।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बोले

सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपिसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों के क्षमता संवर्धन (कैपिसिटी बिल्डिंग), एलुमनाई नेटवर्क तथा समुदाय-समाज से कनैक्टीविटी, कम्यूनिटी आउटरीच, नियमित तथा प्रभावी शिक्षण, गुणवत्ता परक शोध तथा डिजिटल टीचिंग-लर्निंग सुदृढ़ीकरण होगी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की वर्ष 2024 में प्राथमिकता। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने शनिवार को विजन 2024 की रूपरेखा संकाय अधिष्ठाताओं तथा विभागाध्यक्षों से बैठक में सांझा की। प्रो राजबीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय को नवीनतम वैश्विक ज्ञान रूझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपिसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में इस संदर्भ में विभिन्न कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के समयबद्ध क्रियान्वन, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के सुचारु संचालन, एनएईआरएफ डाटा अपडेटिंग सुनिश्चित करने की हिदायत विभागाध्यक्षों को दी। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो एएस मान ने सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वन के लिए यूजी-पीजी पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया तथा सारिणी सांझा की।

डीन प्रो. मान ने कहा कि इस वर्ष नैक एक्रीडीटेशन के दृष्टिगत एनईपी के तहत नूतन पाठ्यक्रम सर्जन अनिवार्य है। निदेशक आईक्यूएसी प्रो बी. नरसिम्हन ने एनईपी-2020 यूजी-पीजी पाठ्यक्रम सृजन तथा एनएईआरएफ रैंकिंग डाटा संकलन संबंधित दिशा निर्देश सांझा किए।

रोहतक। बैठक लेते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

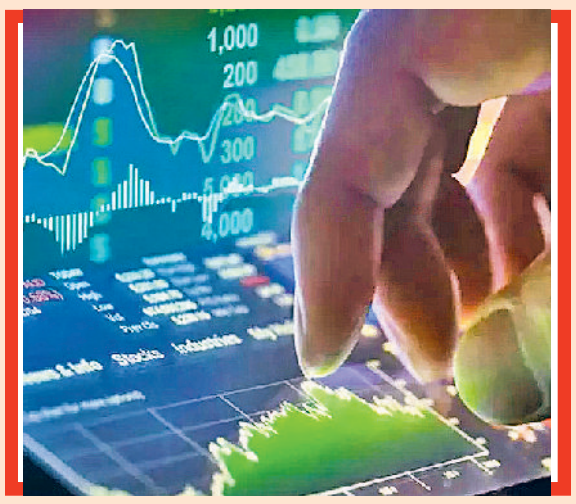

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- **दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या**
- **शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद**
- **शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा**
- **बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया**
- **गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला**

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

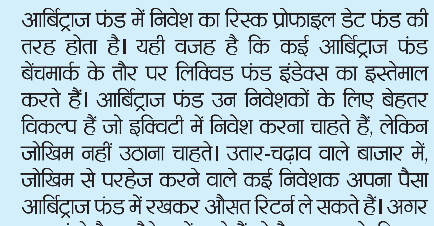

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

बिजली कर्मियों के हमलावर घूम रहे खुले

गोहाना। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में बिजली कर्मचारियों पर हमला करने के आरोपी खुले घूम रहे हैं। आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई में विलंब से बिजली कर्मचारी सख्त नाराज हैं। शनिवार को सोमवार तक का अल्टीमेटम दे दिया गया। कर्मचारियों ने चेताया कि वे मंगलवार से बेमियादी धरने पर बैठ जाएंगे। फोरमैन जगबीर सिंह उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के गोहाना सब-अर्बन सब डिवीजन में नियुक्त हैं।

चोरी के डेढ़ महीने बाद नामजद किए आरोपित

गोहाना। शामड़ी गांव में घर से आभूषण व नकदी चोरी के मामले में मकान मालिक ने करीब डेढ़ महीने बाद एक युवक पर केस दर्ज कराया है। मकान मालिक का आरोप है कि बातचीत के बावजूद आरोपी ने उन्हें चोरी का सामान वापस नहीं दिया। इसको लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शामड़ी गांव के बूरान पाना निवासी अशोक ने पुलिस को बताया कि गत 21 नवंबर को दिनदहाड़े उसके घर में चोरी हुई थी। उसके अनुसार घर से सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, कान के टोपस, गले का हार और 32 हजार रुपए नकद चोरी हुए थे।

नशे के दुष्परिणामों के बारे में करवाया अवगत

सोनीपत। महावीर प्रसाद जैन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शहजादपुर में एनएसएस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दुसरे दिन मुख्य अतिथि रविन्द्र पीजीटी जियोग्राफी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताया और समझाया। मुख्य वक्ता रामनिवास संस्कृति अध्यापक ने स्वयंसवेकों को योगासन के बारे में बताया और योग का हमारे जीवन में महत्व के बारे में बताया।

कनाडा में नौकरी के नाम पर ठगे 16 लाख

गन्नौर। कनाडा में एक रिजार्ट में कैशियर की नौकरी दिलवाने के नाम पर एक युवक से 16 लाख रुपये की ठगी हो गई। युवक के पिता ने मामले की शिकायत थाना बड़ी में दी। शिकायत में सनपेड़ा गांव के बलवान सिंह ने बताया कि वह हरियाणा पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर पानीपत में कार्यरत हैं। उनके बेटे अंकित ने फेसबुक पर राहुल जट के नाम से एक विज्ञापन देखा।

देश-विदेश से करीब 50 हजार श्रद्धालु हिस्सा लेंगे

लक्ष्मणपुरी की पुण्यतिथि पर गोकर्ण डेरे पर तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू

- डेरे में कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो चुकी है, वहीं, डेरे को आकर्षक रूप से सजाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बाबा लक्ष्मणपुरी महाराज की 29वीं पुण्यतिथि पर 3 दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश से करीब 50 हजार श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। डेरे में कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो चुकी है। वहीं, डेरे को आकर्षक रूप से सजा दिया गया है। जिसकी छठा देखते ही बनती है। वहीं, रविवार को ठाकुर जी का ब्यावला समारोह किया जाएगा। शाम 5 बजे रात 9 बजे के बीच वैदिक व्यवस्था और रीति-रिवाज से श्रीराधा-कृष्ण का विवाहोत्सव किया जाएगा। साथ ही सोमवार को आठ जनवरी को भजन-संध्या, 9 को रक्तदान शिविर गोकर्ण तीर्थ परिसर में 8 जनवरी की शाम 7 से रात 10 बजे तक भजन-संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्णिमा साध्वी गुरुकृपा आधारित भजनों की प्रस्तुति देंगी, जबकि 9 जनवरी को सुबह 10 बजे से रक्तदान शिविर लगेगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे भोग डालने के बाद लगाए गए भंडारे में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। डेरा प्रबंधन ने बताया कि इस दिन गोकर्ण पीठाधीश्वर

महामंडलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज वधू पक्ष और महंतश्री स्वामी कमल पुरी महाराज वर पक्ष की तरफ सभी रस्में निभाएंगे। इस मौके पर यमुना पूजन, श्रीजी की हल्दी, मेहंदी, मंगलाचरण, श्रीजी पालकी, ठाकुर जी की घुड़चढ़ी, बारात के बाद श्रीकृष्ण और राधारानी के सुख के लिए जुनार पद गायन भी किया जाएगा। साथ ही भक्तों को भंडारे में देसी घी का भंडारा भी लगाया जाएगा।

सरकार से हर वर्ग परेशान, कर्मचारी हड़ताल पर, चुनाव में जनता लेगी बदला: गुलशन

- ईशपुनियानी ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के हितों से कोई लेना देना नहीं है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शोरी क्लॉथ मार्केट के प्रधान गुलशन ईशपुनियानी ने अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों द्वारा की जा रही हड़ताल पर भाजपा को घेरा। यहां जारी एक बयान में गुलशन ईशपुनियानी ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के हितों से कोई लेना देना नहीं।

कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। पिछले दिनों

रोहतक। गुलशन ईशपुनियानी

डॉक्टर हड़ताल पर थे अब पटवारी और कानूगो हड़ताल पर हैं। तहसील से जुड़ा लोगों का काम नहीं हो रहा और सरकार कर्मचारियों से बात तक करने को राजी नहीं। कर्मचारी और जनता की अनदेखी करके सरकार मनमर्जी करने पर उतारू है।

गुलशन ईशपुनियानी ने कहा कि कर्मचारी हो या आम जनता सब कांग्रेस के शासन को याद कर रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में कर्मचारी और प्रदेश की जनता भाजपा सरकार से बदला लेगी और कांग्रेस की सरकार बनाएगी। हरियाणा के अगले मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा होंगे। कांग्रेस नेता गुलशन ईशपुनियानी ने कहा कि राशन डिपो होल्डरों पर ऐसी शर्तें लगा दी गई हैं कि उनका काम करना मुश्किल हो गया है।

सरकार को हर वर्ग की बात सुननी चाहिए। कांग्रेस राज में कभी ऐसा नहीं हुआ की कर्मचारी हर रोज हड़ताल पर बैठे हों। गुलशन ईशपुनियानी ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जेपी नड्डा को साथ लेकर पंचकुला में रोड शो निकाला। इस रोड शो से भाजपा को अपनी असलियत का पता लग गया।

औलिया दिवस पर सूफी दरबार आयोजित

रोहतक। समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया ने औलिया दिवस पर सभी साधकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी 2013 को सूफी बाबा शाह कलंदर ने उन्हें सूफी परंपरा का औलिया घोषित किया था। यह उनका ही नहीं ओशोधारा का बहुत बड़ा सम्मान है। औलिया का अर्थ है ब्रह्मनिष्ठ संत जोकि अल्लाह का करीबी दोस्त होता है और उसका हर कार्य अल्लाह की खिदमत है। वहीं समर्थगुरु ने शुक्रवार को ऑनलाइन सूफी दरबार आयोजित किया जिसमें देश-विदेश से 300 से ज्यादा साधकों ने जुड़कर शक्तिपात का आनंद लिया और अपनी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त किया। समर्थगुरु ने विश्व शांति की भी कामना की।

लाइव स्किल डेवलपमेंट कैंप का आयोजन

रोहतक। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिटौली में किशोरावस्था (नौवीं से बाहरवी) लड़कियों के लिए लाइव स्किल डेवलपमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान विभिन्न गतिविधियों जैसे आर्ट एंड क्राफ्ट, ऑयल पेंटिंग, फैब्रिक पेंटिंग, ऑर्गेनिक आर्ट, मेकिंग परफ्यूम, जैली कैंडल आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान बबली (एमपीएचडब्ल्यू), राकेश सिंधवानी, रामचंद्र, पूनम, रवि, धीरज सैनी ने लड़कियों को स्वास्थ्य, बागवानी, कम्युनिकेशन स्किल्स, पिकल मेकिंग, बैंकिंग, क्ले मॉडलिंग आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध करवाई।

पांच हजार रुपये इनामी आरोपी को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस ने लूट की वारदात में 5 हजार रुपये इनामी के आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करके दो दिन पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। सीआईए-1 थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि जेल रोड की तरह से पैदल आ रहे युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान नरेंद्र निवासी रिटोली के रूप में हुई है। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल व दो जिंदा रौंद बरामद हुआ है। युवक के खिलाफ थाना शिवाजी कॉलोनी में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी का

पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। आरोपी के खिलाफ सात मामले दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ हत्या, गिरोह बंदी, लूट, अवैध हथियार आदि के 4 मामले जिला रोहतक में, जींद, झज्जर व भिवानी में एक-एक मामला दर्ज है। आरोपी ने थाना शिवाजी कॉलोनी के एरिया में लूट की वारदात को अंजाम दिया हुआ है। आरोपी पर जिला पुलिस द्वारा 5 हजार रुपये का इनाम घोषित है। आरोपी के खिलाफ थाना महम में अपराधी का मामला दर्ज है।

एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी व बिजली कानून स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ अभियान चलाएगी किसान सभा

- बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा के लंबित मुद्दों को लेकर आगामी अभियान की योजना बनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक जिला प्रधान प्रीत सिंह की अध्यक्षता में जसबीर स्मारक में हुई। जिसमें किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। प्रीत सिंह ने कहा कि किसान सभा एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी और बिजली कानून स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ गांवों में अभियान चलाएगी। जिला सचिव बलवान सिंह ने बताया कि बैठक में संयुक्त

रोहतक। अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला सचिव बलवान सिंह।

किसान मोर्चा के लंबित मुद्दों को लेकर आगामी अभियान की योजना बनाई गई। किसान सभा राज्य उपप्रधान इंदरजीत सिंह ने कहा कि किसान आंदोलन के लंबित मुद्दों एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी देने, बिजली बिल को वापिस लेने, किसान मजदूरों की कर्जा मुक्ति आदि का समाधान नहीं किया गया। इसके खिलाफ देशभर में संयुक्त किसान मोर्चा ने आगमी किसान आंदोलन की घोषणा की है। जिसके तहत 16 जनवरी को संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कन्वेंशन पंजाब में होगी। 10 जनवरी से 20 जनवरी तक गावों में जनजागरण अभियान चलाया जायेगा और 26 जनवरी को सरकारी कार्यकर्म के बाद किसान जिले में ट्रेक्टर परेड निकालेंगे। इसको लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक भी की जाएगी, इसके साथ ही 9 जनवरी को चौधरी छोटूराम की पुण्य तिथि भी गावों में मनाई जाएगी। बैठक में किसानों के फसल खराबे के लंबित मुआवजे वितरित ना होने और बीमा किसानों के लंबित बीमा क्लेम ना देने पर भी रोष प्रकट किया गया।

संजोग अस्पताल में निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी कैंप शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

- भाजपा नेता राजीव जैन व राई से भाजपा नेता माईराम कौशिक ने किया शुभारंभ

नेशनल हाइवे 44 पर स्थित एल्डिगो में संजोग अस्पताल में भारतीय जैन संगठन दिल्ली व संजोग अस्पताल के प्रबंधकों के सयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया है। कैम्प का शुभारम्भ राई से विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बडौली के भाई माईराम कौशिक व मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने सयुक्त रूप से किया। कैम्प में अमेरिका के डॉक्टरों द्वारा सर्जरी की जाएगी, जिसमें कटे फटे हॉट, पलकों की विकृति, कानों का टेड़ापन ,चेहरे के दाग, नाक व कान की बाहरी विकृति आदि की सर्जरी की गई। कैम्प में हरियाणा, दिल्ली, पंजाब व उत्तरप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों से काफी पेशेंट ऑपरेशन के लिए आए है। राजीव जैन ने कैम्प में आए मरीजों ,उनके परिजनों व विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं से आए लोगों को सम्बोधित किया। भाजपा नेता माईराम कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की भी यहीं दूरगामी सोच है देश व प्रदेश के हर नागरिक को सस्ता व बढ़िया इलाज मिल सके। जिसके चलते बहुत लोगों को आयुष्मान व चिरायु कार्ड दिए गए है ताकि वो बिना पैसों के अच्छे से अच्छे अस्पताल मे अपना फ्री इलाज करा सके,जिसका लाभ गरीब जनता को मिल रहा है। भारतीय जैन संगठन दिल्ली राज्य के अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि कैम्प में अमेरिका के डॉक्टरों द्वारा सर्जरी की जा रही है और उनका मकसद है कि देश मे कोई भी बिना होठ, कान के न रहे। संजोग हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ संजय जैन व डा. जोगिंदर धनखड़ ने प्लास्टिक सर्जरी कैंप के बारे में बताया।

संगीत मानसिक स्वास्थ्य की औषधि

- शास्त्रीय नृत्य के पारंगत अंतरराष्ट्रीय कलाकार पंडित राजेंद्र गंगानी ने जब अपने पैरो के घुंघरुओं और तबले की थाप की अदभुत जुगलबंदी पेश की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वैष्णव जन तो तेही कहिए जी, जब ये धुन पंडित सुभाष घोष ने अपने स्वयं के ईजाद किए साज नव स्वर रागिनी पर छेड़ी तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। मौका रहा नृत्य तरु समिति द्वारा कला व संस्कृति विभाग तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का।

इनके साथ-साथ शास्त्रीय नृत्य के पारंगत अंतरराष्ट्रीय कलाकार पंडित राजेंद्र गंगानी ने जब अपने पैरो के घुंघरुओं और तबले की थाप की अदभुत जुगलबंदी पेश

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डॉ. रेणु हुड्डा, नृत्य तरु समिति की अध्यक्ष डॉ. मालविका पंडित, वरिष्ठ रंगकर्मी सुजाता रोहिला, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. रणदीप राणा, युवा कल्याण के निदेशक डॉ. जगबीर राठी, डॉ. प्रताप राठी, डॉ. नीता शर्मा, सुभाष नगाड़ा, विश्व दीपक त्रिखा, रघुविंदर मलिक, मधु चोपड़ा सहित अन्य मौजूद रहे।

की तो वातावरण उल्लासमय हो गया। मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर ने कहा कि संगीत मानसिक स्वास्थ्य के लिए अचूक औषधि है।

मॉडल टाऊन में खुला बरिस्ता काफी स्टोर

रोहतक। बरिस्ता कॉफी कंपनी लिमिटेड देश में तेजी से अपना कारोबार बढ़ा रही है। बरिस्ता काफी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रजत अग्रवाल ने कहा कि वह कंपनी बरिस्ता काफी के बिजनस को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए अब महानगरों से बाहर भी संभावनाएं तलाश रहे हैं। बरिस्ता 100 से ज्यादा शहरों में पहुंचने के साथ तेजी से विस्तार कर रही है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा एकीकृत कॉफी हाउस है। इसी श्रृंखला में रोहतक के माडल टाऊन में नया स्टोर खोला है। उन्होंने बताया कि बरिस्ता काफी स्टोर की संख्या के लिहाज से काफी आगे हैं। उन्होंने कहा कि हर साल करीब 60-70 नए स्टोर खोल रहे हैं।

महम में किसानों को न्योता देने पहुंचे किसान नेता

10 जनवरी को प्रदर्शन करेंगे चार जिलों के किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

भारतीय किसान मजदूर यूनियन की मीटिंग शनिवार को हुई। इस दौरान किसान नेताओं ने किसानों से रोहतक में होने वाले प्रदर्शन में भाग लेने का न्योता दिया। किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष एवं संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा प्रभारी सुरेश कोथ ने बताया कि 10 जनवरी को रोहतक स्थित चौधरी देवीलाल पार्क में चार जिलों के किसान प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में रोहतक, झज्जर, चरखी दादरी व भिवानी जिलों के किसान शामिल

महम। कस्बा महम में किसानों के साथ बैठक करते किसान नेता।

होंगे और रोहतक कमिश्नर को मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। सुरेश कोथ ने कहा कि रोहतक राजनीति का गढ़ है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल व विपक्ष के नेता भूपेंद्र हुड्डा सहित तमाम राजनैतिक दलों के प्रदेश

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रोहतक जिला अध्यक्ष सरपंच उमेद सिंह, महिला विंग रोहतक जिला अध्यक्ष मोनिका, धर्मपाल बड़ाला, होशियार सिंह भिवानी जिला अध्यक्ष, राजकुमार जिला प्रधान चरखी दादरी, मास्टर रामफल राठी, सतबीर सिवाच, कुलदीप राठी, बलजीत, मंजीत राठी, सते, सोनू, बलराम,मोहन,मोनू आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय रोहतक में हैं लेकिन फिर भी रोहतक में साल 2021, 22 व 23 का मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दों को लेकर रोहतक में प्रदर्शन किया जाएगा। सुरेश कोथ ने कहा कि किसान, मजदूर को कर्जा मुक्त करना, खराब फसलों का मुआवजा, मनरेगा मजदूरों को 600 रुपये मजदूरी तथा किसान के साथ जोड़कर हर रोज काम दिया जाए। इसके अलावा किसानों से केस वापस लिए जाएं, लखीमपुर खीरी में शहीद किसानों को न्याय मिले, आरोपियों को सजा मिले। मीटिंग में रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी व झज्जर जिलों के किसान नेताओं ने भाग लिया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS Doctor 2
- Nursing Staff 6
- RMO 4
- Computer Operator 1
- Accountant 1
- Gatekeeper 3
- Sweeper 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

चेहरे की सुंदरता बढ़ाएं
Levo Fairness Cream
चेहरे पर छाईयां, दाग-धब्बे (डार्क सर्कल) कम करने में लाभदायक
MRP. 120/-
मोटापा घटाएं, जोड़ों (घुटनों/डिस्क) दर्द, गंजापन (बालों का झड़ना/सफेद होना) ब्रेस्ट क्रीम (महिला), पुरूष रोग (जोश व टाईम) हर्बल कोर्स मंगवाएं
अभी ऑर्डर करें। घर बैठे मंगवाएं
8529169000
MHC Ayurveda: Rohtak Gate, Bhiwani
आवश्यकता: महिला (घर बैठे काम करें)

खबर संक्षेप

शिविर में 96 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

रोहतक। सुभाष नगर स्थित शिव मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. बख्शीश, अंकित एवं सुमित की टीम ने हड्डियों का बीएमडी, बीपी, ब्लड शुगर और पीएसए की जांच की एवं मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। जिसमें 96 व्यक्तियों के स्वास्थ्य जांच की गई। शिव मंदिर प्रधान कृष्णलाल बत्रा ने बताया कि महीने में दो बुधवार को शिव मंदिर में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से छोटे बच्चों को पिछले काफी वर्षों से पोलियो की ड्रॉप्स पिलाई जा रही है। इस अवसर पर विजय भुटानी, सुरेंद्र भुटानी, सुभाष मल्होत्रा, सुंदर जेटली आदि मौजूद रहे।

ब्रेकथ्रू ने आयोजित किया नुक्कड़ नाटक

रोहतक। ब्रेकथ्रू ने बड़ी-सी आशा अभियान के रोहतक और संपला ब्लॉक के गांव बखेता और 'मोरखेडी में नाटक आयोजित किए गए। नाटक में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अभियान का एक उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा और उनके सपनों और आकांक्षाओं के बारे में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता पैदा करना और माता-पिता को इस चर्चा में शामिल करना है। यह जानकारी ब्रेकथ्रू के रोहतक झज्जर जिला प्रबंधक मीना रानी ने दी।

अब सभी स्कूलों में दोबारा लगाई जाएंगी शिकायत पेटी

शिक्षा विभाग अलर्ट: जींद की घटना से लिया सबक, हर महीने खुलेंगी

- सेक्सुअल हरासमेंट कमेटी भी दोबारा सक्रिय होगी
- शिक्षकों को दी पोक्सो और पॉश एक्ट की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जींद के एक सरकारी स्कूल में छात्राओं के साथ हुई यौन शोषण की घटना के बाद शिक्षा विभाग और ज्यादा अलर्ट हो गया है। अब सभी स्कूलों में शिकायत पेटी दोबारा एक्टिव होगी। स्कूल में या अन्य किसी स्थान पर किसी भी विद्यार्थी के साथ कोई ऐसी घटना घटती है तो बाल अपराध की श्रेणी में आती है तो वह विद्यार्थी इस शिकायत पेटी में पत्र लिखकर डाल सकेगा।

हर महीने शिकायत पेटी को खोला जाएगा और उसमें जो भी शिकायतें होंगी उस पर संज्ञान लिया जाएगा। जिसके साथ घटना हुई होगी, उसका नाम किसी के समक्ष उजागर नहीं किया जाएगा। शिकायत पेटी पर स्कूल प्रिंसिपल और चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर भी लिखा जाएगा। वहीं स्कूलों में कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट भी दोबारा सक्रिय होगी। जिसका अध्यक्ष महिला को बनाया जाएगा। इस कमेटी में एसएमसी सदस्य, स्कूल प्रिंसिपल, स्कूल से ही सीनियर महिला शिक्षक, अभिभावक को शामिल किया जाएगा। इसके लिए सभी स्कूल हैड्स को तीन दिन की ट्रेनिंग देकर पोक्सो और पोश एक्ट की पूरी जानकारी मुहैया करवाई जा चुकी है। इसका मकसद स्कूलों में ऐसा माहौल बनाना है कि ऐसे अपराध करने बारे कोई सोचे भी न। ट्रेनिंग मॉडल टाउन स्थित गवर्मेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 3 से 6 दिसंबर तक संपन्न हुई। जिसमें रोहतक, महम, कलानौर, सांपला और लाखनमाजरा ब्लॉक के करीब 401 स्कूल हैड्स शामिल हुए। गत शुक्रवार को एससीईआरटी के ज्वाइंट डायरेक्टर सुनील बजाज ने ट्रेनिंग कैंप का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल हैड्स से ट्रेनिंग के दौरान दी जाने वाली जानकारी के बारे में सवाल जवाब किए। साथ ही उनके सुझाव भी सुने।

रोहतक। ट्रेनिंग कैंप का निरीक्षण करते एससीइआरटी ज्वाइंट डायरेक्टर सुनील बजाज।

- मॉडल टाउन स्थित स्कूल में 3 से 6 दिसंबर तक संपन्न हुई ट्रेनिंग

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डाइट प्रिंसिपल वीरेंद्र मलिक, डीइओ मनजीत मलिक, सुनीता बीइओ कलानौर, सतीश शर्मा कार्यक्रम संयोजक, मास्टर ट्रेनर मनीषा पवार, मास्टर ट्रेनर योगेश भारद्वाज, मनजीत दांगी, सुमन लता, आदि मौजूद रहे।

एबीआरसी को दी ट्रेनिंग

यहां ए भी बता दें कि गत दिनों राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में शिक्षा निदेशालय हरियाणा एवं एससीईआरटी गुरुग्राम के दिशा निर्देशों की अनुपालना में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना द्वारा प्राचार्य वीरेंद्र मलिक के नेतृत्व में जिले के सभी खंडो के एबीआरसी, बीआरपी एवं महिला बाल विकास विभाग के सीडीपीओ को खंड स्तर के मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर सतीश शर्मा ने बताया कि विद्यालयों में बच्चों को लैंगिक यौन शोषण से सुरक्षा प्रदान करने के लिए हरियाणा सरकार ने विशेष मुहिम चलाई है ताकि बच्चों के साथ किसी प्रकार का यौन शोषण ना हो पाए। इस दौरान प्रतिभागियों को विद्यालय में शिकायत पेटी एवं यौन सुरक्षा से संबंधित समितियां को लगातार गंभीरता पूर्वक काम करने की जिम्मेदारी से अवगत कराया तथा विभागीय दिशा निर्देश सांझा किए ताकि इस प्रकार की कोई भी घटना विद्यालयों में ना घटे व ऐसी सोच भी किसी के मन में ना आए। मास्टर ट्रेनर कुलदीप, जिला बाल संरक्षण अधिकारी करमिंदर कौर ने जानकारी दी।

अब और गंभीरता से होगा काम

बता दें कि स्कूलों में शिकायत पेटी, कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट तो पहले भी हैं लेकिन काम को लेकर ज्यादा गंभीरता नहीं दिखाई गई। अब हर महीने शिकायत पेटी से निकलने वाली शिकायतों को बकायदा एक रजिस्टर बनाया जाएगा। जिस पर स्कूल प्रिंसिपल की निगरानी में शिकायतों की गंभीरता को देखा जाएगा और जल्द से जल्द उनका समाधान किया जाएगा।

बच्चों को किया जाएगा जागरूक

स्कूल हैड्स की ट्रेनिंग समाप्त हो चुकी है। ए सभी अब अपने अपने स्कूलों में जाकर सभी शिक्षकों को इस ट्रेनिंग में मिली जानकारी से अवगत कराएंगे। इसके बाद अध्यापक अपनी अपनी कक्षाओं में बच्चों को पोक्सो और पोश एक्ट की जानकारी देंगे। साथ ही उन्हें इस बारे में भी जागरूक किया जाएगा कि उनके साथ अगर असमान्य व्यवहार किया जाता है तो इसे तुरंत अपने माता-पिता या अध्यापक को बताएं। इस घटना के बारे में लिखकर शिकायत पेटी में डालें।

नगर पालिका संघ ने आंदोलन का आगाज किया, सांसदों को देंगे ज्ञापन

- 1547 कच्चे कर्मचारियों को समायोजित किया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर पालिका कर्मचारी संघ ने आंदोलन का आगाज कर दिया है। शनिवार को मीडिया सेंटर स्थित हॉल में नगर पालिका कर्मचारी संघ की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने की। निर्णय लिया गया कि मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा। आन्दोलन के प्रथम चरण में के तहत राजनीतिक पार्टियों के प्रदेश अध्यक्षों को 9 जनवरी से 14 जनवरी व दूसरे चरण में सभी सांसदों व मंत्रियों को 15 से 21 जनवरी तक और 22 से 28 जनवरी तक भोजन अवकाश के समय प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन दिया जाएगा। 20 से 31 जनवरी तक प्रदेश की सभी सड़क पालिकाओं, 22 नगर परिषदों, 11 नगर निगम, 89 दमकल केंद्रों पर संघ के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में बनाई गई चार टीम सर्व कर्मचारी संघ द्वारा 4 फरवरी को रोहतक में की जाने वाली आक्रोश रैली क लिए तैयारी करेगी। बैठक का संचालन महासचिव मांगेराम ने किया और मुख्य रूप से सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट, जिला कमेटी के प्रधान कर्मवीर सिवाच, नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रधान संजय बिडलान शामिल हुए। बैठक में रमेश तुषामड, सेवाराम, राजेश बागड़ी, शिवचरण, बसंत, परषोत्तम दानव, अग्निशमन विभाग के प्रधान राजेंद्र सिन्द, सुखदेव सिंह, नगर पालिका संघ के प्रदेश सचिव राजीव खत्री, संघ की राज्य सचिव व महिला राज्य कन्वीनर शारदा देवी, सुभाष नूहू, मनोज अटवाल, जयप्रकाश उपस्थित रहे।

इसलिए नाराज हैं कर्मचारी

नरेश शास्त्री और महासचिव मांगेराम तिगरा ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम में अधिकारियों द्वारा 2018 से मैनपॉवर आउटसोसिंर्ग पॉलिसी पार्ट-1 के तहत लगे 3480 कर्मचारियों की छटनी करके कर्मचारियों को हड़ताल करने के लिए मजबूर किया। 3480 सफाई कर्मचारियों में से 946 कर्मचारी सरकार के पत्र अनुसार विभाग के रोल पर आने के हकदार हैं और 2534 सफाई कर्मचारी हरियाणा कौशल रोजगार निगम पर आने के हकदार हैं। लेकिन नगर निगम गुरुग्राम अधिकारियों ने इन कर्मचारियों को न तो रोल पर किया और न ही हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल किया। संघ राजनीतिक पार्टियों के प्रदेश अध्यक्षों, सांसदों, मंत्रियों और विधायकों को ज्ञापन देकर छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेने की मांग करेगा। इसके साथ ही वर्कआउट सोर्स के ठेकों में हुए भ्रष्टाचार की हरियाणा स्टेट विजिलेंस से जांच करने की भी मांग उठाई जाएगी। अंडर-7 रूल चार्जशीट, वेतन कटौती सहित मुकद्दमें वापस लेने और अग्निशमन विभाग में 2268 फायर ऑपरेटरों के पदों पर 1547 कच्चे कर्मचारियों को समायोजित किया जाए।

एमडीयू की टीम ने दो गोल्ड मेडल जीत रनर्स अप ट्रॉफी पर किया कब्जा

- रोहित अहलावत ने 100 किलो भार में इंटर गोल्ड मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर में 3 से 6 जनवरी तक उत्तर-पूर्व क्षेत्र इंटरयूनिवर्सिटी जूडों पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एमडीयू के रोहित अहलावत ने 100 किलो भार में इंटर गोल्ड मेडल जीता।

वहीं, एमडीयू के गर्वित ने 73 किलो भार वर्ग में दूसरा गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा ओमबीर 81 किग्रा कुणाल 90 किग्रा, साहिल 100 किग्रा में अखिल भारतीय जूडों प्रतियोगिता 23-24 के लिए क्वालीफाई किया है। यह जानकारी जूडो टीम के प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चंदर शर्मा, प्रबंधक डॉ. संजीव कुमार और सहायक कोच पावेल कुमार ने दी।

एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर गुलशन लाल तनेजा, खेल समिति के चेयरमैन डॉक्टर नरेंद्र खत्री और एमडीयू रोहतक के खेल निदेशक प्रोफेसर आर पी गर्ग ने खिलाड़ियों और सभी अधिकारियों को पदक और ट्रॉफी जीतने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी।

नेत्र जांच शिविर 280 लोगों ने करवाई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भिवानी रोड स्थित जन सेवा संस्थान वृद्ध आश्रम में निशुल्क नेत्र जांच एवं आपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानन्द महाराज ने की।

इस अवसर पर श्री बालाजी संकीर्तन मंडल की ओर से भंडारे की व्यवस्था की गई। कैम्प में डॉ. नीरज दुआ, डॉ. राकेश वर्मा एवं डॉ. राकेश चावला ने 280 रोगियों की जांच की। वहीं, आपरेशन के लिए 22 रोगियों का चयन किया गया। संस्थान के महासचिव विनोद गुप्ता ने बताया कि संस्थान द्वारा हर महीने के पहले शनिवार को कैंप लगाया जाता है।

ये रहे मौजूदः इस मौके पर पीपी वर्मा, पवन जिंदल, धर्मेंद्र, अशोक पंडित, होशियार सिंह आदि मौजूद रहे।

रोहतक। आयोजित शिविर में ऑखों की जांच करते हुए डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

48 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारत विकास परिषद् भगत सिंह शाखा द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती सेवा सप्ताह के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन छोटूराम चौक पर किया गया। जिसमें 48 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि वैश्य एजुकेशन सोसायटी के प्रधान नवीन जैन रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय कोषाध्यक्ष राम चरण सिंगला ने की।

रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र दिए गए। नवीन जैन ने सभी रक्तदाताओं से ब्लड बैंक जाकर या रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने की अपील की। राम चरण सिंगला ने भगत सिंह शाखा द्वारा समाज कल्याण में अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर प्रांतीय सचिव नरेश जैन, रेडक्रास सोसायटी के लेखाकार राजकुमार मोर, नीरज बंसल, उपाध्यक्ष पंकज गोयल, सचिव दिनेश मित्तल, अंकित मित्तल सह सचिव, सुनील जैन, प्रदीप जैन, विकास गर्ग, कृष्ण मित्तल, कृष्ण गुप्ता, सुभाष, गर्ग आदि उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल और गर्म वस्त्र

महम। भारत विकास परिषद महम ने महर्षि दयानंद गौशाला खरक बैंसी में 50 जरूरतमंदों को कंबल व 150 जोड़ी छोटी, बड़ी जुराबें, 70 जोड़ी गर्म कपड़े वितरित किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौशाला बैंसी के प्रधान एवं गोसेवक विजय कुमार मित्तल रहे जबकि समारोह की अध्यक्षता बजरंग गोयल प्रधान भारतीय विकास परिषद ने की। परिषद की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश गुप्ता ने बताया कि परिषद द्वारा कई स्थानों पर जरूरतमंदों को कंबल, गर्म कपड़े, जुराबे वितरित की गई हैं। समाजसेवी विजय कुमार मित्तल भी अपनी पत्नी सरस्वती मित्तल की स्मृति में महम क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन कंबल वितरित कर रहे हैं। परिषद के कोषाध्यक्ष प्रदीप गोयल ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर गौसेवक मनोहर लाल चांदीवाल, अजय कुमार नांदल, भगत बैंसी, मुरारी लाल, सुरेश, नरेश, राज कुमार, जगबीर, रमेश, राजबीर सहित अन्य मौजूद रहे।

पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन आंदोलन शुरू करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन राज्य परिषद की बैठक सर्व कर्मचारी संघ भवन में हुई। इसकी अध्यक्षता राज्य चेयरमैन कृष्ण शर्मा ने की। राज्य प्रधान जयपाल गुढ़ा व महासचिव जरनैल सिंह ने कहा कि भिन्न-2 प्रवृत्ति के पदों को एक पद में मर्ज करने व सेवा नियमों की त्रुटियां दूर न होने पर आन्दोलन किया जाएगा। 24 से 29 जनवरी तक जिला स्तरीय कन्वेंशन होगी, उसके बाद 1 से 12 फरवरी तक सभी ब्रांचो की कन्वेंशन निर्धारित की गई हैं।

राज्य चेयरमैन कृष्ण शर्मा व उपमहासचिव शीलक राम मलिक ने बताया कि समय रहते समाधान नहीं किया तो 15 फरवरी को पंचकूला में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग व सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता के कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा। 21 फरवरी निदेशक पंचायत विभाग, 28 फरवरी को सड़क व भवन निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता के कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा। सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान धर्मवीर फौगाट ने बताया कि 4 फरवरी को रोहतक में राज्यस्तरीय रैली कर आंदोलन की घोषणा करेंगे। समाधान नहीं किया तो 28 फरवरी के बाद अनिश्तकालीन धरना शुरू किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ उपप्रधान राकेश लाकड़ा, कोषाध्यक्ष अजीत सिंह पांचाल, सहसचिव रविन्द्र शर्मा, राज्य प्रेस सचिव योगेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

रोहतक। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन राज्य परिषद की बैठक को सम्बोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान धर्मवीर फौगाट। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

गांव किलोई खास व किलोई दोपाना पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

देशभर में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा पात्र परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। यात्रा के माध्यम से पात्र लोगों व परिवारों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध करवाया जा रहा है।

ये बात हरियाणा भाजपा के उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने गांव किलोई खास व किलोई दोपाना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी राजनीतिक दल विशेष की हो सकती है। लेकिन सरकार का दायित्व समाज के हर वर्ग का कल्याण करना होता है। मौजूदा सरकार भी इसी दिशा में कार्य कर रही है। बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा जहां भी पहुंचती है वहां 17 सरकारी विभागों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाता है। नांदल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा तालाब प्राधिकरण का गठन किया है। प्राधिकरण के माध्यम से प्रदेश भर के तालाबों का सुधारीकरण किया जा रहा है। गंदे तालाबों का सौंदर्यीकरण करके घाट, रिटेनिंग वॉल, बड़ व पीपल आदि के पेड़ भी लगाए जा रहे हैं।

विकसित राष्ट्र बनाने में सबको देना होगा सहयोगः भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. दिनेश घिलौड़ ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हरेक व्यक्ति के सिर पर छत, खाने को रोटी व कपड़े की सुविधा के साथ-साथ जब देश में प्रदेश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सबको मिलकर प्रयास करने होंगेजिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा ने कहा कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए पारदर्शी शासन दिया है।

सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपए दे रही है। विवाह शगुन योजना के तहत 71 हजार रुपए कन्यादान के रूप में दिए जा रहे हैं।

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है मोबाइल फोन

कवर स्टोरी / किरण भास्कर

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

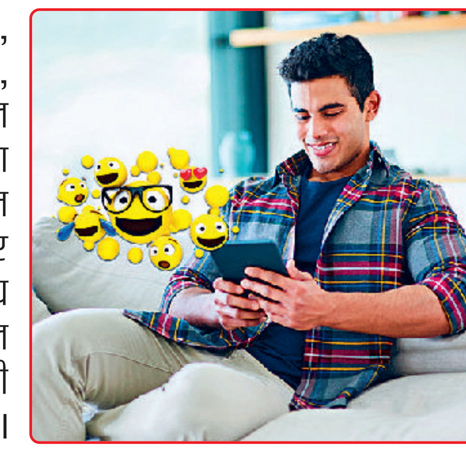

टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंज वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

लघुकथाएं

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

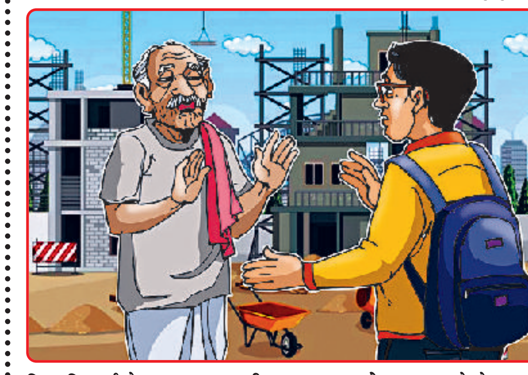

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ़ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होन वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती हैं। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता है। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

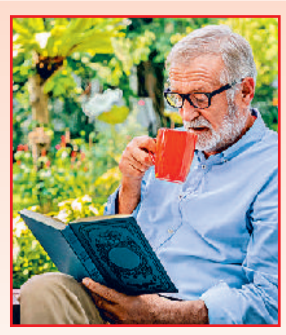

{ विज्ञान-तकनीक / संजय श्रीवास्तव }

इस साल और बढ़ेगी भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

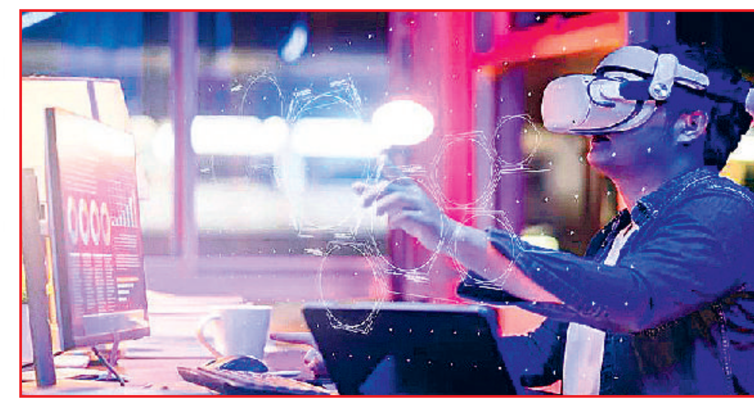

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

{ धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा }

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष माह में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैलेंस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

{ रोचक }

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पातاललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

{ बड़ा पर्दा / हेमंत पाल }

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'शोले' का फेमस डायलॉग-'कितने आदमी थे?'

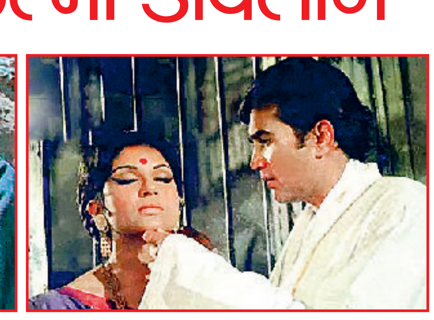

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *